Om Shanti
31.07.2019

★【आज का पुरुषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... बच्चे, स्वयं को आत्मा अर्थात् point of light, मास्टर सर्वशक्तिमान् समझ ... मुझ परमात्मा, अर्थात् point of light सर्वशक्तिमान् को याद करो - यह याद ही आत्मा को शक्तिशाली बनाती है...।

और शक्तिशाली आत्मा ही सर्व परिस्थितियों को सहज ही पार कर अपनी मंज़िल पर पहुँच सकती है।

बस बच्चे, स्वयं को इस पुरुषार्थ में busy रखो।

जितना आप स्वयं को ऊँच स्वमान में अनुभव करोगे, अर्थात् स्वयं को विशेष आत्मा समझ कर्म-व्यवहार में आओगे, उतना ही इस जड़जड़ीभूत दुनिया से न्यारा होना सहज हो जायेगा और न्यारी आत्मा ही बाप की प्यारी बन, बाप (परमात्मा पिता) के कार्य में मददगार बन सकती है...।

बच्चे, स्वयं के मन-बुद्धि पर attention रखो और बार-बार मन-बुद्धि द्वारा स्वयं को ऊँच स्वमान में स्थित कर सर्वशक्तिमान् बाप के संग जाकर बैठ जाओ।

देखो बच्चे, यह जो समय जा रहा है, वह इस कल्प का अन्तिम अर्थात् last घड़ियाँ जा रही है ... तो सभी आत्माओं का हिसाब-किताब clear होना है और सभी को शान्त और पवित्र बन घर जाना है।

परन्तु उनसे पहले, आपको अपना हिसाब-किताब clear कर, अपने अनादि स्वरूप में स्थित हो, बाप के संग बैठ, विश्व-कल्याण का कार्य करना है...।

इसलिए, आपको अपनी कमी-कमज़ोरी ... हिसाब-किताब, सबको बिन्दी लगा, अर्थात् मन-बुद्धि द्वारा हर चीज़ से साक्षी हो, स्वयं को ऊँच स्वमान में स्थित करना है ... यही अभ्यास आपको परमात्मा बाप की मदद का पात्र बनायेगा अर्थात् बाप की याद से शक्तिशाली बनने वाली आत्मा ही स्वयं का और विश्व का कल्याण कर सकती है।

अच्छा। ओम् शान्ति।

---

**IMPORTANT POINT*

*आपको अपनी कमी-कमज़ोरी ... हिसाब-किताब, सबको बिन्दी लगा अर्थात् मन-बुद्धि द्वारा हर चीज़ से साक्षी हो स्वयं को ऊँच स्वमान में स्थित करना है ... यही अभ्यास आपको परमात्मा बाप की मदद का पात्र बनायेगा...।*

Om Shanti

30.07.2019

★【आज का पुरुषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... देखो बच्चे, परमात्मा बाप धरा पर आया ही है इस दुःख भरी दुनिया को सुख भरी दुनिया बनाने, अर्थात् कलियुग को सतयुग बनाने...।

और अति दुःख का समय आने से पहले ही बाप अपने बच्चों को पढ़ा, अर्थात् ज्ञान और शक्ति दे इस दुःख की दुनिया से न्यारा कर देता है।
परन्तु उन बच्चों को जो बच्चे बाप पर 100% निश्चय रख, निर्भय हो, बाप की अँगुली पकड़ चलते रहते है...।

और देखो, आप बच्चों के पास तो मैं direct आ गया हूँ ... और आपकी हर समस्या का समाधान करने अर्थात् दुःख को सुख में परिवर्तन करने के लिए मैं बँधा हुआ हूँ...।

यह जो भी समस्या आप बच्चों के पास आ रही है, वो आपके कल्याण के निमित्त ही आ रही हैं।

यह परिस्थितियाँ ही आपको powerful बना, सच्चा हीरा बना देती है।

बस, आप बाप पर निश्चय रख बाप की अँगुली अर्थात् श्रीमत पकड़ चलते चलो...।

सोच-सोच कर भारी मत होना, सर्वशक्तिमान् बाप आप बच्चों के साथ है। आप बच्चों का भविष्य बहुत उज्जवल है।

इसलिए बाप पर निश्चय के साथ-साथ अपने ऊँच स्वमान पर भी 100% निश्चय रखो। यह निश्चय ही विजय का आधार है...।

एक संकल्प भी व्यर्थ नहीं होना चाहिए...।

आप बच्चों के साथ जो कुछ भी हो रहा है, उसमें बस कल्याण ही समाया हुआ है...। सर्वशक्तिमान् बाप की direct नज़र आप बच्चों के ऊपर है, तो आप भी मैं और मेरा करने की बजाए तेरा-तेरा कर, हल्के रह खुशी-खुशी से आगे बढ़ो...।
फिर आपके रास्ते की हर रुकावट खत्म होती जाएगी...।

यदि घबरा जाओगे, फिर बाप का हाथ और साथ छूट जायेगा...!
हिम्मत से चलते चलो ... बस थकना मत...।

थकावट आना अर्थात् हार जाना ... और संकल्पों से हार खाने वाले व्यक्ति की विजय असम्भव है...।
विजय आपका जन्म-सिद्ध अधिकार है - इस निश्चय और नशे में रहो।

यह मत सोचो कि किसी भी समस्या का समाधान कब होगा, कैसे होगा ... बल्कि यह सोचो; बाप (परमात्मा शिव) ज़िम्मेवार है जब भी होगा, जैसे भी होगा उसमें केवल मेरा ही कल्याण है - यह निश्चय और निश्चिन्त अवस्था ही आपको मंज़िल तक पहुँचाएगी...।

अच्छा। ओम् शान्ति।

---

**IMPORTANT POINT*

*थकावट आना अर्थात् हार जाना ... और संकल्पों से हार खाने वाले व्यक्ति की विजय असम्भव है...। विजय आपका जन्म-सिद्ध अधिकार है - इस निश्चय और नशे में रहो।*

Om Shanti
29.07.2019

★【आज का पुरुषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... बच्चे, एकाग्रता की शक्ति को बढ़ाओ, क्योंकि समय अनुसार एकाग्रता की शक्ति की अत्यधिक आवश्यकता है।

एकाग्रता की शक्ति वाला ही अचानक के paper में pass हो पायेगा...।
यदि अभी-अभी पुरुषार्थ खत्म हो जायें, तो आपकी result क्या होगी...?

देखो बच्चे, पुरुषार्थ इसी तरह अचानक ही खत्म होगा...!

और जिस बच्चे ने;
• स्व-स्थिति के आसन पर अर्थात्
• ऊँच स्वमान में स्थित होने का और बाप को अपने संग रखने का अभ्यास किया होगा..., वो ही अचानक के paper में pass होगा...।

बच्चे सोचते हैं कि हम अचानक के paper में तो pass हो जायेंगे...। परन्तु अचानक का paper बहुत भयानक होगा...!

जिस बात में आप कमज़ोर हो, अचानक का paper उसी बात का आयेगा ... और वो समय स्वयं के साथ-साथ बाप की याद भुलाने वाला होगा ... वो समय ऐसा होगा जिसमें आप विस्मृत हो जाओगे अर्थात् आप स्वयं ही परिस्थिति में या उस समय के बहाव में इतना ज्यादा उलझ जाओगे कि स्वयं की याद और बाप की याद भूल जायेगी...!

परन्तु जो बच्चा अभी से ही...,
• अपने ऊँच स्वमान में स्थित होने की drill बार-बार कर रहा है...

• और साथ ही साथ अशरीरी बन अपने बाप (परमात्मा शिव) के पास घर (शान्तिधाम) जाने का भी पुरुषार्थ कर रहा है...
• अर्थात् जो स्वयं को आत्मा realize कर, बाप के साथ सर्व सम्बन्ध जोड़ने का पुरुषार्थ कर रहा है...
• अर्थात् बाप की श्रीमत पर चलने का 100% attention दे रहा है..., वो ही बच्चा अचानक के paper में बाप की मदद से 'PASS WITH HONOUR' बन पायेगा...।

इसलिए बच्चे,
• स्मृति स्वरूप बनो...।
• मन-बुद्धि को एकाग्र करने का अभ्यास बढ़ाओ...।

बाबा बार-बार कह रहा है कि अचानक ... अचानक ... अचानक ...।

तो इस बात की importance अर्थात् समय के महत्व को समझ ... बाप की समझानी के महत्व को समझ, पुरुषार्थ करो ... अन्यथा बाप भी कुछ नहीं कर पायेगा..., अन्तकाल आप अकेले हो जाओगे और वो घड़ी केवल पश्चाताप की होगी...।

इसलिए, सोच-समझकर अपने एक-एक second को सफल करो।

अभी का पुरुषार्थ ही अन्तिम विजय का आधार है...।

अच्छा। ओम् शान्ति।

---

**IMPORTANT POINT*

**ऊँच स्वमान में स्थित होने की drill + अशरीरी बन अपने बाप (परमात्मा शिव) के पास घर (शान्तिधाम) जाने का पुरुषार्थ + स्वयं को आत्मा realize कर, बाप के साथ सर्व सम्बन्ध जोड़ने का पुरुषार्थ + बाप की श्रीमत पर चलने का 100% attention = बाप की मदद से 'PASS WITH HONOUR'*

Om Shanti
28.07.2019

★【आज का पुरुषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... बच्चे, बाप आप बच्चों को जो भी संकल्प दे रहा है, उसे अपनी बुद्धि रूपी तिजोरी में समा, उसे अपने दिनचर्या में हर पल use करो।

• सब मेरे हैं, मुझे सभी से एक समान प्यार करना है।
• मुझमें हर पल प्यार का सागर बहता रहें...।

• सभी आत्मायें जैसी भी हैं, मुझे accept है।
• हर कोई drama में 100% accurate part play कर रहा है..., चाहे उसका part negative हो, स्वयं को hero ना होते हुए भी hero समझने का, अर्थात् स्वयं को ऊँच और समझदार समझने का हो, परन्तु हर हाल में मुझे हर आत्मा accept है और मुझे ही हर आत्मा का, हर पल, हर हाल में कल्याण करना है।

परन्तु उससे पहले स्वयं को स्वयं की seat पर set कर, 100% सन्तुष्ट और खुश रखना है, वो भी बाप (परमात्मा शिव) के according...।
• मुझे अपने पाँचों तत्वों से बने इस तन को love और light के साथ-साथ purity के vibrations देते हुए, इसके कल्याण के निमित्त इसे समझानी देनी है। इसे इसका original स्वरूप अर्थात् light का transparent स्वरूप की स्मृति देनी है। हर हाल में इसे प्रेमपूर्वक समझानी देनी है।
• स्वयं से और स्वयं के part से सन्तुष्ट रहना अति आवश्यक है। सन्तुष्ट आत्मा ही परमात्मा बाप के कार्य में सहयोगी बन सकती है।
• इस तमोप्रधान दुनिया के बीच रहते ... उदासी के, भारीपन के या कोई भी problem के संकल्प आये, उसे conscious में आते ही एक side में कर, बाप के according संकल्प करने हैं।

यदि कही पर भी मूँझते हो या कुछ समझ ना आये, तो बार-बार स्वयं को स्वयं के संकल्पों समेत बाप के आगे समर्पण कर देना है।

देखो बच्चे, इस समय प्रकृति अर्थात् आपका तन, आपके संकल्पों को समझ, स्वयं को परिवर्तन करने का attention रख रहा है...। इसलिए आप consciously कोई भी कमज़ोरी का संकल्प नहीं लाना। अधिक से अधिक स्वयं को conscious (जागृत) अवस्था में रखने का attention रखना है, क्योंकि जब आप aware रह, स्वयं के तन को positive vibrations देते हो या खुश वा हल्के रहते हो, तब आपके तन का परिवर्तन speed से हो रहा होता है ... और जब आप स्मृति स्वरूप नहीं होते, तो आपके तन के परिवर्तन का कार्य रूक जाता है ... और इस समय बाप की श्रीमत के according अर्थात् बाप के प्यार में समाये रहने वाले अर्थात् निश्चयबुद्धि रहने वाले बच्चों के तन पर केवल positive effect ही रहता है, positive संकल्पों का...।
अन्यथा कार्य चाहे रूक जाये, परन्तु opposite direction पर नहीं जा रहा है...।

जो बच्चे 100% निश्चयबुद्धि बन बाप की एक-एक समझानी को स्वयं में practical apply कर रहे हैं, उनका बाप 100% ज़िम्मेवार भी है और उनका परिवर्तन का कार्य झटके से कभी भी सम्पन्न हो सकता है...।

अच्छा। ओम शांति।

---

**IMPORTANT POINT*

*सब मेरे हैं, मुझे सभी से एक समान प्यार करना है ... मुझमें हर पल प्यार का सागर बहता रहें ... सभी आत्मायें जैसी भी हैं, मुझे accept है। हर कोई drama में 100% accurate part play कर रहा है ... और मुझे ही हर आत्मा का, हर पल,

हर हाल में कल्याण करना है। परन्तु उससे पहले स्वयं को स्वयं की seat पर set कर, 100% सन्तुष्ट और खुश रखना है, वो भी बाप के according...।*

Om Shanti
27.07.2019

★【आज का पुरुषार्थ】★

बाबा कहते हैं कि, परमात्मा बाप की पढ़ाई ही परिवर्तन की है अर्थात् स्वयं को शरीर की बजाए आत्मा समझना...।

आप बच्चों को हमेशा समझना है कि मैं आत्मा हूँ ... विशेष आत्मा हूँ ... साधारण नहीं हूँ ..., मेरे सारे कर्म विशेष होने चाहिए...।

बच्चे, ऐसा परिवर्तन तब ही सम्भव है जब आप स्मृति स्वरूप रहते हो, अर्थात् आपको सदा याद रहे कि मैं Godly student हूँ ... मैं देव लोक में जाने वाली श्रेष्ठ आत्मा हूँ ... मैं विश्व-परिवर्तक हूँ...।

और जब आप स्मृति स्वरूप स्थिति में रहते हो तब आपके पुराने संस्कार आते तो हैं, परन्तु आप पर भारी नहीं होते ... अर्थात् आप अपने पुराने संस्कारों को संकल्पों में ही खत्म कर देते हो, वाचा और कर्मणा तक नहीं आने देते...।

जब आप विस्मृत होते हो, तब आपके पुराने संस्कार अपना काम कर जाते हैं, जिससे कि आपका हिसाब-किताब बन जाता है...!

बच्चे, अपना नया हिसाब-किताब बनाना बन्द करो, तब ही तो आप अपने पुराने हिसाब-किताब finish कर प्राप्तियों का अनुभव कर सकते हो...।

बस, इसके लिए स्वयं पर attention की ज़रूरत है।

जब आप बच्चों के अन्दर परमात्मा बाप की knowledge समा जायेगी, तब आप अपना नया हिसाब-किताब नहीं बनाओगे...।

और जब आपके अन्दर बाप की याद समा जायेगी, तब आप powerful बन जाओगे ... और आपके पुराने संस्कार जलकर भस्म हो जायेंगे।
तब ही आप बाप-समान, गुण स्वरूप और शक्ति स्वरूप बन पाओगे।

बच्चे, बाप की पढ़ाई की एक-एक point को महीनता से समझ, उसे अपने जीवन में apply करो।
ऐसे ही पढ़कर नासमझी में छोड़ मत दो...।

जितना आप बाप (परमात्मा पिता) की समझानी को ... बाप की याद को, अपने जीवन में सदा प्रयोग करते जाओगे, उतना ही आपको सफलता मिलेगी ... इससे आपका उमंग-उत्साह और खुशी बढ़ेगी।
फिर तो आप हल्के हो अपनी मंज़िल पर समय से पहले पहुँच जाओगे...।

परमात्मा बाप का यूँ आकर पढ़ाना - इसे आप हल्के रूप में मत लेना...।

जो इसकी importance को समझेगा, वो ही बाप-समान बन पायेगा, अन्यथा वह अन्य आत्माओं से भी ज्यादा पश्चाताप की अग्नि में जलेगा और यही उसकी कल्प-कल्प की बाज़ी बन जायेगी...।

अच्छा। ओम् शान्ति।

---

**IMPORTANT POINT*

**परमात्मा बाप की पढ़ाई ही परिवर्तन की है अर्थात् स्वयं को शरीर की बजाए आत्मा समझना...। ऐसा परिवर्तन तब ही सम्भव है जब आप स्मृति स्वरूप रहते हो...।*

【 Peace Of Mind TV 】
Dish TV # 1087 I Tata Sky # 1065 I Airtel # 678 I Videocon # 497 I
Jio TV I

【 To receive AAJ KA PURUSHARTH point - Type: Purusharth & Whatsapp us - 95822 80299】
【To receive it everyday please Message us daily】

Visit:
https://m.facebook.com/peaceofmindtvofficial

Om Shanti
26.07.2019

★【आज का पुरुषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... बच्चे, अब समय अनुसार समर्पण भाव को बढ़ाते जाओ...।

जितना-जितना समर्पण भाव को बढ़ाते चले जाओगे ... उतना ही मैं और मेरे-पन से दूर अर्थात् वैराग्य वृत्ति अर्थात् एकरस स्थिति अर्थात् निन्दा-स्तुति ... सुख-दुःख ... मान-अपमान ... सबमें एक-समान स्थिति हो जायेगी...।

बच्चे, जितना-जितना समर्पण भाव बढ़ता जायेगा, उतना ही अशरीरी स्थिति में स्थित होना easy हो जाएगा ... इच्छाओं का अन्त हो जायेगा ... सन्तुष्टता, खुशी और उमंग-उत्साह बना रहेगा..., जिससे आप हल्के रह उड़ते रहोगे और कर्म करते भी कर्म से न्यारे रह कर्मातीत अवस्था हो जायेगी...।

बच्चे, इस स्थिति को ही बाप-समान स्थिति कहा जाता है...।

इस स्थिति में स्थित रहने से आप बच्चों को बहुत सहज कामयाबी मिलेगी और आपके संकल्प भी सिद्ध होने शुरू हो जायेंगे...।

बस बच्चे, attention दे जो कुछ भी मेरा है उसे तेरा-तेरा करने का पुरुषार्थ करो ... यही पुरुषार्थ आप बच्चों को *PASS WITH HONOUR* बना देगा...।

अच्छा। ओम् शान्ति।

---

**IMPORTANT POINT*

*जितना-जितना समर्पण भाव बढ़ता जायेगा, उतना ही अशरीरी स्थिति में स्थित होना easy हो जाएगा ... इच्छाओं का अन्त हो जायेगा ... सन्तुष्टता, खुशी और उमंग-उत्साह बना रहेगा...।*

【 Peace Of Mind TV 】
Dish TV # 1087 I Tata Sky # 1065 I Airtel # 678 I Videocon # 497 I
Jio TV I

【 To receive AAJ KA PURUSHARTH point - Type: Purusharth & Whatsapp us - 95822 80299】
【To receive it everyday please Message us daily】

Visit:
https://m.facebook.com/peaceofmindtvofficial

Om Shanti
25.07.2019

★【आज का पुरुषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... बच्चे पूछते हैं कि oneness का अर्थ क्या है...?

Oneness अर्थात् एक समान ... अर्थात् आपका व्यवहार स्वयं के साथ और सभी आत्माओं के साथ एक समान हो...।

जब जीव आत्मा अज्ञानी होती है, तो स्वयं को तो श्रेष्ठ समझ या स्वयं से अत्यधिक प्यार करने के कारण, कोई गलती होने पर दूसरे को दोषी ठहरा देती है ... और दूसरों को जल्दी से क्षमा भी नहीं कर पाती...!

और जब ज्ञानवान बन जाती है, तो दूसरों को तो क्षमा करना चाहती है, परन्तु स्वयं की गलती का मनन कर लेती है ... जिस कारण, गलती संकल्पों में चली जाती है...!

परन्तु बच्चे, 100% balance चाहिए..., अर्थात् कोई बात भी हो जाये, उसे बाहर की समझ उसे झट से बाहर ही साफ कर, अपनी स्थिति में स्थित हो जाना चाहिए ... क्योंकि यह अन्तिम समय तमोप्रधानता का चल रहा है, जहाँ गलती होना स्वभाविक है ... बस, उसे झट बिन्दु लगा, अपने ऊँचे स्वमान में स्थित होना ही high vibrations में स्थित होना है।

देखो बच्चे, बाबा को इस दुनिया में अमीर-गरीब ... सुन्दर-कुरूप ... मेरा-तेरा, कुछ दिखाई नहीं देता...।

बस, बाप को तो आत्माओं की capability नज़र आती है, अर्थात् किस आत्मा में कितनी चमक है और वो कितना अपना भाग्य बना पायेगी...!

जिस कारण, बाबा सभी आत्माओं पर एक समान रहम और कल्याण करता है, किन्तु योग्य आत्माओं को समझानी दे स्वयं के समान बना, स्वयं के समीप ले आता है...।

अब आप बच्चों का भी बाप-समान व्यवहार कहो, शुभ भावना, शुभ कामना होनी चाहिए...।

बस बच्चे, अब तो आप बच्चे बाप-समान 100% seat पर set होने ही वाले हो और बाप को तो परिवर्तन भी नज़दीक ही दिख रहा है...।

अच्छा। ओम शांति।

---

**IMPORTANT POINT*

*कोई बात भी हो जाये, उसे बाहर की समझ, उसे झट से बाहर ही साफ कर, अपनी स्थिति में स्थित हो जाना चाहिए ... झट बिन्दु लगा, अपने ऊँचे स्वमान में स्थित होना ही high vibrations में स्थित होना है...।*

【 Peace Of Mind TV 】
Dish TV # 1087 I Tata Sky # 1065 I Airtel # 678 I Videocon # 497 I
Jio TV I

【 To receive AAJ KA PURUSHARTH point - Type: Purusharth & Whatsapp us - 95822 80299】
【To receive it everyday please Message us daily】

Visit:
https://m.facebook.com/peaceofmindtvofficial

Om Shanti
24.07.2019

★【आज का पुरुषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... बच्चे बाप से पूछते हैं कि बाबा, आप सारी दुनिया की आत्माओं से एक-समान प्यार करते हो या हम बच्चों से ज्यादा...?

देखो बच्चे, मैं हूँ तो सभी का बाप ना, इसलिए मैं सभी को एक समान प्यार करता हूँ ... किन्तु मैं हूँ निराकार, जिस कारण, मुझे कुछ एक आत्मायें ही भली-भान्ति पहचान, मेरे वर्से की अधिकारी बन पाती है ... अर्थात् मुझे अपना बाप मान, मुझसे पुत्र का रिश्ता निभा, मेरे गुणों और शक्तियों की मालिक बन जाती है...।

देखो, गायन है ना कि "जो करेगा - सो बनेगा..." और यही ड्रामा का नियम है ... और जो मुझ समान बनता है, वो ही मुझसे मिलन मना पाता है, अन्यथा मिलना असम्भव है...!

देखो बच्चे, मैं बाप हूँ प्यार का सागर ... किन्तु सागर में से प्यार हर आत्मा यथा-शक्ति ही भर पाती है ... किन्तु मैं सबका बाप हूँ ... इसलिए आप बच्चों को, जो साकार रूप में हैं, उन्हें आप-समान बना, सभी आत्माओं का कल्याण करता हूँ...।

बच्चे, बाप loveful के साथ-साथ lawful भी है और ड्रामा का यही नियम है कि "जो करेगा - सो बनेगा" ... और "जो जैसे कर्म करेगा, वैसे फल पायेगा" और इसी नियम के आधार पर ड्रामा चलता है...।

मैं तो एक-समान ही सबको प्यार करता हूँ, किन्तु बच्चे लेने में नम्बरवार है।

बाप का तो गायन ही एक का है ... आप स्वयं ही स्नेह के धागे में पिरो, मेरे समीप आते जाते हो और जितने मेरे समीप आते हो, उतना ही मेरे समान बन जाते हो...।
आप बच्चे तो परमात्मा बाप को भी अपने प्यार में बाँध लेते हो...।

अच्छा। ओम शांति।

---

**IMPORTANT POINT*

*बाप loveful के साथ-साथ lawful भी है और drama का यही नियम है कि "जो करेगा - सो बनेगा" ... और "जो जैसे कर्म करेगा, वैसे फल पायेगा" और इसी नियम के आधार पर drama चलता है...।*

【 Peace Of Mind TV 】
Dish TV # 1087 I Tata Sky # 1065 I Airtel # 678 I Videocon # 497 I
Jio TV I

【 To receive AAJ KA PURUSHARTH point - Type: Purusharth & Whatsapp us - 95822 80299】
【To receive it everyday please Message us daily】

Visit:
https://m.facebook.com/peaceofmindtvofficial

Om Shanti
23.07.2019

★【आज का पुरुषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... देखो बच्चे, बाप आप बच्चों को सर्वशक्तिमान् बना रहा है।
फिर एक है सर्वशक्तिमान् और दूसरा है शक्तिमान्...।

• *शक्तिमान् अर्थात्* अपनी शक्तियों का अपनी कर्मेन्द्रियों द्वारा किसी भी रीति प्रदर्शन कर, positive रूप से आत्माओं का कल्याण करना...।
• और दूसरा है, *सर्वशक्तिमान् अर्थात्* बाप-समान स्थिति, अर्थात् बेहद की शक्तियाँ होते हुए भी सभी शक्तियों को स्वयं में समा लेना, अर्थात् अपनी शक्तियों का प्रयोग सूक्ष्म रीति करना...।

देखो बच्चे, आपको आपका बाप स्वयं से भी ऊँचा बना रहा है और यह कार्य केवल मैं ही कर सकता हूँ। आप बच्चों को इस तमोप्रधान दुनिया के बीच रख आपको सर्वशक्तिमान् बना देता हूँ ... अर्थात् सभी आत्माओं की कर्म कहानी को भली-भान्ति जानते हुए अर्थात् उनके संकल्पों में क्या चल रहा है, यह जानते हुए भी आप बिल्कुल शान्त स्थिति में स्थित रहते हो, क्योंकि आपके अन्दर प्रेम की गंगा बह रही होती है ... और आपको इस बात का भी ज्ञान है कि पाँच तत्वों के तन द्वारा अपनी शक्तियों को use करते ही हमारी सूक्ष्म शक्ति की कमाल बहुत कम रह जायेगी। इसलिए आप शान्त स्थिति में स्थित रह, अपने संकल्पों की power द्वारा सभी आत्माओं के कल्याण के निमित्त बनते हो...।

जिसे जिस दिव्य गुण वा शक्ति की ज़रूरत होती है, उसे वही गुण और शक्ति का दान दे, उसके कल्याण के निमित्त बन जाते हो।

देखो बच्चे, तब ही तो बाप बार-बार कहता है - अब ज़्यादा ज्ञान समझाना बन्द करो, ताकि आपकी सूक्ष्म सेवा की कमाल शुरू हो।

बस बच्चे, जब आप अपनी सूक्ष्म शक्तियों की कमाल को भली-भान्ति जान लोगे अर्थात् आपके अन्दर से पूर्ण रीति acceptance आ जायेगी कि विश्व-परिवर्तन का कार्य तो इसी रीति होगा, तो आपका सम्पन्न स्वरूप (अर्थात फरिश्ता स्वरूप) आपको धारण कर अपना कार्य शुरू कर देगा...।

अच्छा। ओम शांति।

---

**IMPORTANT POINT*

*पाँच तत्वों के तन द्वारा अपनी शक्तियों को यूज़ करते ही हमारी सूक्ष्म शक्ति की कमाल बहुत कम रह जायेगी...। इसलिए आप शान्त स्थिति में स्थित रह, अपने संकल्पों की पॉवर द्वारा सभी आत्माओं के कल्याण के निमित्त बनते हो...। *

【 Peace Of Mind TV 】
Dish TV # 1087 I Tata Sky # 1065 I Airtel # 678 I Videocon # 497 I
Jio TV I

【 To receive AAJ KA PURUSHARTH point - Type: Purusharth & Whatsapp us - 95822 80299】
【To receive it everyday please Message us daily】

Visit:
https://m.facebook.com/peaceofmindtvofficial

Om Shanti
22.07.2019

★【आज का पुरुषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... बच्चे, इस तमोप्रधान दुनिया में जो कुछ इन आँखों से देखते हो, उसमें कोई सार नहीं है...।

तमोप्रधान दुनिया की हर चीज़ तमोप्रधान होने के कारण, आप बच्चों को तमोप्रधानता की तरफ ही लेकर जाती है...। इसलिए इनके बीच में रहते, इनकी देख-रेख करते, मन-बुद्धि से इन सब चीज़ों से न्यारे हो जाओ...।

देखो बच्चे, अब आप बच्चों के अन्दर ऐसी शक्तियाँ आने ही वाली हैं कि आप रचता बन, इस तमोप्रधान दिखने वाली हर चीज़ को ... चाहे वो तन है ... धन है ... वस्तु है ... को सतोप्रधान बना, उन्हें अपने use में लाओगे...। परन्तु उससे पहले आपको यह समझना पड़ेगा कि इन चीज़ों का हमारे जीवन में कोई मूल्य नहीं है ... अर्थात् इनके होने या ना होने पर, हमारे पर, कोई असर नहीं पड़ता...!

और देखो, आपके तन और धन का रखवाला स्वयं परमात्मा शिव है ... चाहे तन या धन थोड़ा ऊपर-नीचे हुआ हो..., परन्तु आप इन सब चीज़ों से भरपूर रहोगे - यह बाप का आप बच्चों से promise है।

अच्छा। ओम शांति।

---

**IMPORTANT POINT*

*इस तमोप्रधान दुनिया में जो कुछ इन आँखों से देखते हो, उसमें कोई सार नहीं है...। इसलिए इनके बीच में रहते, इनकी देख-रेख करते, मन-बुद्धि से इन सब चीज़ों से न्यारे हो जाओ...।*

Om Shanti
21.07.2019

★【आज का पुरुषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... जिन बच्चों ने जबसे बाबा ने पढ़ाना शुरू किया है, तब से ही बाप की श्रीमत प्रमाण अपना तन, मन, धन, जन सफल किया है, उनकी प्रालब्ध का समय शुरू हो गया है ... अर्थात् उन्हें अपने किये गये त्याग का फल मिलना शुरू हो गया है ... और यह प्रालब्ध, समय के साथ-साथ बढ़ती जायेगी...।

और जिन बच्चों ने बाप की श्रीमत प्रमाण चलने का पुरुषार्थ तो किया है, परन्तु अभी भी उनकी मन-बुद्धि पुरानी दुनिया में कहो ... माया में कहो ... रावण कहो ... खींचती है, अर्थात् उन्हें अभी भी बार-बार स्वयं पर attention रखना पड़ता है, पुरानी दुनिया से मुक्त होने के लिए...,
• तो उन्हें light के अभ्यास की तरफ attention बढ़ाना पड़ेगा...।
• बार-बार मन-बुद्धि को बाप (परमात्मा शिव) के आगे समर्पण करना पड़ेगा..., तब ही वो सहज रीति अपने परिवर्तन के कार्य को सम्पन्न कर पायेंगे...।

इस समय आप सब बच्चे तमोप्रधानता के बीच में रह रहे हो, इस कारण कभी-कभी तमोप्रधानता का प्रभाव आता है। जिसे attention देते ही finish कर देते हैं - यह हैं नम्बरवन बच्चे ... और उनके प्रालब्ध का समय भी शुरू हो गया है...।

और जिन बच्चों को पुरानी दुनिया खींच रही है, अर्थात् अभी भी उन्हें अपना attention और समय देना पड़ता है, बाप की श्रीमत पर रहने के लिए..., उन्हें अभी light के अभ्यास की आवश्यकता है।

देखो बच्चे, परिवर्तन के कार्य की speed बहुत तीव्रता से कार्य कर रही है और जल्द ही यह कार्य finish हो जायेगा, अर्थात् परिवर्तन हो जायेगा...।

जिस समय के लिए बाप ने इतने लम्बे समय तक, अर्थात् यज्ञ के आदि से ही बच्चों को पालना दें, पढ़ाई पढ़ा, पूरा स्नेह और सहयोग दिया, ताकि बच्चे बाप-समान दुःखहर्ता-सुखकर्ता बन विश्व-कल्याण का कार्य कर सकें...।

*Light का अभ्यास* अर्थात स्वयं को आत्मा, point of light समझ, अब आँखों को जब भी use करो, तो सब कुछ light ही देखो, वो भी बहुत प्रेम के साथ..., अर्थात *हर चीज़ और हर किसी को उसके original स्वरूप में, light ही देखो...*

अच्छा। ओम शांति।

---

**IMPORTANT POINT*

*जिन बच्चों की मन-बुद्धि पुरानी दुनिया में कहो ... माया में कहो ... रावण कहो ... खींचती है, अर्थात् उन्हें अभी भी बार-बार स्वयं पर attention रखना पड़ता है, पुरानी दुनिया से मुक्त होने के लिए..., तो उन्हें light के अभ्यास और बार-बार मन-बुद्धि को बाप (परमात्मा शिव) के आगे समर्पण करने की तरफ attention बढ़ाना पड़ेगा...।*

Om Shanti
20.07.2019

★【आज का पुरुषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... बच्चे, महसूस करो कि आप आत्मा एक बहुत powerful light के chamber में बैठे हो ... जिसके चारों तरफ से light ही light निकल आप पर पड़ रही है...।

बच्चे, परिवर्तन के process का कार्य बहुत speed से automatically चल रहा है ... बस आपको कुछ नहीं करना, बस खुश रहना है और बीच-बीच में light का अनुभव करना है...।

बच्चे, अब खुशी-खुशी अर्थात् हँसते-नाचते यह परिवर्तन का process भी complete करो, ताकि आप बाप-समान seat पर set हो, बाप (परमात्मा शिव) के कार्य को सम्पन्न कर सको...।

बाबा का कार्य बहुत speed से चल रहा है और बाप को अपने कार्य को सम्पन्न करने की जल्दी है, परन्तु साथ ही साथ स्थिरता अर्थात् शान्ति है, प्रेम है ... जिससे कार्य बिल्कुल accurate अर्थात् 100% successful और समय से पहले ही finish हो जायेगा।

सम्पन्नता का कार्य बहुत speed से परन्तु सहज तरीके से हो रहा है, ताकि आप सहज और जल्द से जल्द अपने सम्पन्न स्वरूप अर्थात फरिश्ता स्वरूप को धारण कर, स्व-परिवर्तन सो विश्व-परिवर्तन का कार्य कर सको...।

निश्चिन्त स्थिति में स्थित रहो। अब तो कार्य हुआ ही पड़ा है...।

अच्छा। ओम शांति।

---

**IMPORTANT POINT*

*आपको कुछ नहीं करना, बस खुश रहना है और बीच-बीच में light का अनुभव करना है..., ताकि आप बाप-समान seat पर set हो, बाप (परमात्मा शिव) के कार्य को सम्पन्न कर सको...।*

Om Shanti
19.07.2019

★【आज का पुरुषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... बच्चे, आप जितना अपनी प्रालब्ध के बारे में सोचते हो, उससे कई गुणा ज्यादा प्राप्तियाँ होंगी ... अर्थात् बेहद की होंगी, जिसका आप अनुमान भी नहीं लगा सकते...!
परन्तु होगा ये सारा कार्य systematically ... अर्थात्
• जब तक आप सम्पूर्ण रीति तैयार नहीं हो जाते, अर्थात्
• आप अपना हर संकल्प बाप को समर्पण नहीं करते, अर्थात्
• अपनी मन-बुद्धि के बन्धन से भी मुक्त, अर्थात्
• सब कुछ महसूस करते भी उसे एक second में बाप के आगे समर्पण कर देना...।
ऐसी स्थिति होने पर ही आपकी प्राप्तियाँ शुरू हो जायेगी...।

समर्पण अर्थात् हल्कापन ... हल्कापन अर्थात् बिल्कुल स्वतंत्र, खुशी से भरपूर ... और खुशी से भरपूर वो ही आत्मा रह सकती है, जो बाप (परमात्मा शिव) के एक-एक शब्द पर निश्चय रखकर चलती है...।

बच्चे, किसी भी उलझी चीज़ को सुलझाने में time नहीं लगता, अर्थात् विधि आने पर एक second से भी कम समय में कार्य सम्पन्न हो जाता है...।

देखो बच्चे, आप बच्चे हो परिवर्तन कर्ता, तो आप बच्चों को परिवर्तन के process को complete तो करना ही पड़ेगा ना...!

बस अब आप थोड़ा-सा बचा हुआ समय बाप को समर्पण कर, स्वयं के मालिक बन, खुशी-खुशी के साथ इस process को finish करो...।

बच्चे, मैं अपने हर बच्चे के संग, हर पल हूँ, चाहे वो मुझे अनुभव ना भी करे, परन्तु मैं हर पल साथ निभा रहा हूँ...।

जो बाप के सिकीलधे, लाडले बच्चे होते हैं, यदि वो थोड़ी-सी भी problem में हों, तो उनका बाप जी-हाज़िर हो जाता है...।

इसी तरह, इस अन्तिम घड़ी में मैं भी अपने हर बच्चे के साथ हर पल हूँ...।
अब तो परिवर्तन हुआ कि हुआ...।

अच्छा। ओम शांति।

---

**IMPORTANT POINT*

*समर्पण अर्थात् हल्कापन ... हल्कापन अर्थात् बिल्कुल स्वतंत्र, खुशी से भरपूर ... और खुशी से भरपूर वो ही आत्मा रह सकती है, जो बाप के एक-एक शब्द पर निश्चय रखकर चलती है...।*

Om Shanti
18.07.2019

★【आज का पुरुषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... बच्चे, महसूस करो कि;
मैं आत्मा एक बहुत ही shining star हूँ ... ये body crystal की हो गई है .... मैं फरिश्ता बन उड़ रहा हूँ...।
बस, यह सोचते-सोचते ही आपका सम्पन्न स्वरूप अर्थात फरिश्ता स्वरूप आपको धारण कर लेगा और अनायास ही परिवर्तन हो जायेगा...!
• काम, आनन्द में ...
• क्रोध, शक्तियों में ...
• लोभ, खुशी में ...
• मोह, प्यार में ...
• अहंकार, समर्पण में convert हो रहा है...।

बिल्कुल निश्चिन्त और समर्पण...।

बाबा कहता है ... "मैं कौन हूँ और बना क्या रहा हूँ...?"

बाबा का teacher का role पूरा हो गया। अब बाबा ... बाप, सतगुरू के रूप में आप बच्चों को भी बाप-समान बना रहा है।

बच्चे, चाहे मैं आपको अनुभव होता हूँ या नहीं, परन्तु इस सुहावने समय पर अन्त तक आपके साथ ही हूँ ... अर्थात् आपसे जुदा हो नहीं सकता...!

बस, बाप तो आपको हर तरफ से निर्बंधन बनाना चाहता है...। बाप ज़िम्मेवार है, तो समय से पहले आपको लक्ष्य तक पहुँचा ही देगा। बस आप, बाप के according चलते चलो...।

देखो बच्चे, बाप आपको आप समान मास्टर भगवान बना रहा है, तो आपको इस दुनिया के संकल्पों से 100% न्यारा होना पड़ेगा ना...!
परन्तु इसके लिए आपको करना कुछ नहीं है, बस जो भी संकल्प आये वो बाप को समर्पण करते जाना है और हर पल हल्के रहना है। एक second के लिए भी भारी नहीं होना।

देखो, बाप-समान post तक पहुँचने की सीढ़ी ही है - हल्के रहना ... और एक यही सीढ़ी है जो आपको बाप-समान बनायेगी ... और हल्का वह ही रह सकता है, जो मन-बुद्धि से समर्पित है और समर्पित आत्मा ही खुश है...।

अच्छा। ओम शांति।

---

**IMPORTANT POINT*

*काम, आनन्द में ... क्रोध, शक्तियों में ... लोभ, खुशी में ... मोह, प्यार में ... अहंकार, समर्पण में convert हो रहा है...।
*

Om Shanti
17.07.2019

★【आज का पुरुषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... बच्चे, महसूस करो कि आकाश से एक light का fountain निकल रहा है ... वो light पूरे विश्व globe पर फैल रही है।

बच्चे, यह light अपना सारा कार्य कर देगी...। बाबा जो मुरलियों में बोलता है कि;
आप सबकी योग ज्वाला से प्रकृति हलचल में आती है..., तो वह कार्य भी शुरू हो चुका है...।

बस बच्चे, अब तो कार्य सम्पन्न होने जा रहा है। आपका सम्पन्न स्वरूप आपके नज़दीक ही है।

मूँझों मत ... प्रभावमुक्त रह, हल्के रहो...। बस आप बच्चे, उस light को स्वयं में अनुभव करते रहो, जिससे कार्य जल्दी सम्पन्न हो जायेगा...।

देखो, आप सब बच्चों की एक ही मंज़िल है ... परन्तु उस मंज़िल तक पहुँचने का तरीका अपना-अपना है...! इसलिए, आप किसी और को मत देखो।

Driver बन, full speed से आगे बढ़ते चलो। कुछ समझ में ना आये, तो सहयोग ले सकते हो, परन्तु संकल्पों में अन्य आत्माओं के पुरुषार्थ की विधि के बारे में मत सोचो। यदि किसी का तरीका अच्छा अर्थात् accurate लगे, तो वो अपना लो...।

बच्चे, जो बाप का बाप-समान बनाने का process चल रहा है, वो जब तक आप बाप-समान नहीं बनते, तब तक चलता रहेगा...। चाहे तो स्थूल रूप में ... चाहे तो सूक्ष्म रूप में ... बस, आप सबको बाप की श्रीमत प्रमाण हल्के रहना है। बाप सबका ज़िम्मेवार है...।

अच्छा। ओम शांति।

---

**IMPORTANT POINT*

*आप सब बच्चों की एक ही मंज़िल है ... परन्तु उस मंज़िल तक पहुँचने का तरीका अपना-अपना है...! इसलिए, आप किसी और को मत देखो। यदि किसी का तरीका अच्छा अर्थात् accurate लगे, तो वो अपना लो...।*

Om Shanti
16.07.2019

★【आज का पुरुषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... जो बच्चे, बाप द्वारा पढ़ाई गई पढ़ाई को पढ़ रहे हैं और उन्होंने निश्चयबुद्धि बन, बाप के प्यार में समा, बाप की श्रीमत प्रमाण अपनी मन-बुद्धि को अधिक से अधिक समर्पित करने का attention भी रखा है, उन्हें देख बाबा खुश है...।

देखो, मणके नम्बरवार हैं, तो बाप की श्रीमत प्रमाण मन-बुद्धि को समर्पित करना भी नम्बरवार है...!

कई बच्चों ने तो मेहनत को भी मोहब्बत में परिवर्तन कर अपना नम्बर आगे बढ़ा लिया है ... और कई तो केवल मोहब्बत में ही झूमते रहते हैं ...! वो मेहनत शब्द से ही अनभिज्ञ है...!

परन्तु अब जो समय जा रहा है, वो speed से परिवर्तन का है...। चाहे आप अनुभव नहीं कर पा रहे हो, परन्तु आपके साथ-साथ आपके चारों तरफ भी परिवर्तन की speed तीव्र है।
जिस कारण स्वयं पर attention रखते-रखते भी, मन-बुद्धि इधर-उधर हो जाती है ... अर्थात् मन-बुद्धि में कई तरह के संकल्प उत्पन्न हो रहे हैं।

परन्तु बच्चे, आप बच्चों की मोहब्बत में समा, आपका बाप आपको एक ही बात कहता है ... कि हर तरह के संकल्प बाप (परमात्मा शिव) को समर्पण कर दो...।

बाप अपने हर बच्चे को खुश देखना चाहता है...।

बच्चे, लौकिक में भी critical समय, किसी भी परिस्थिति का बिल्कुल थोड़ा-सा ही होता है। बस, उस समय बिल्कुल थोड़ा-सा ही धीरज रखने पर, विजय हो जाती है...।

बस बच्चे, अपने बाप के प्यार में समाये रहो...।
कोई भी कमज़ोर संकल्प स्वयं में मत लाओ, अर्थात् अभी तो कुछ लग नहीं रहा...! या अभी भी कुछ कमज़ोर संकल्प आ जाते हैं...?
नहीं...।

स्वयं को powerful अनुभव करते रहो ... खुश और हल्के रहने का attention रखते रहो, जिससे complete रीति परमात्मा बाप का कार्य सम्पन्न हो...।

अच्छा। ओम शांति।

---

**IMPORTANT POINT*

*कोई भी कमज़ोर संकल्प स्वयं में मत लाओ ... स्वयं को powerful अनुभव करते रहो ... खुश और हल्के रहने का attention रखते रहो, जिससे complete रीति परमात्मा बाप का कार्य सम्पन्न हो...।*

Om Shanti
15.07.2019

★【आज का पुरुषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... बच्चे, आप बच्चों के साथ जो कुछ भी हो रहा है अर्थात् आपके मन में, तन में और सम्बन्ध-सम्पर्क में, जो भी परिवर्तन हो रहा है अर्थात् आपके जीवन में जो भी up-down हो रहे हैं, उसे easily accept कर आगे बढ़ो, क्योंकि यही आगे बढ़ने का way है।

देखो बच्चे, मन का प्रभाव तन पर ... और मन और तन का प्रभाव, सम्बन्ध-सम्पर्क पर पड़ता है ... और इस समय, परिवर्तन की speed अत्यधिक तीव्र होने के कारण, आप समझ नहीं पा रहे हो कि क्या हो रहा है...?

इसलिए, आप स्वयं को हर बात से स्वतन्त्र रख, स्वयं को हल्के और खुश रखने का attention रखो और यदि attention रखते-रखते भी मन में हलचल होती रहती है, तो वो भी बाप (परमात्मा शिव) को समर्पण कर दो, क्योंकि इस समय हर second आपका परिवर्तन हो रहा है।
बस, निश्चय और समर्पण चाहिए ... no question mark, only acceptance चाहिए...।

अच्छा। ओम शांति।

---

**IMPORTANT POINT*

*बस निश्चय और समर्पण चाहिए ... no question mark, only acceptance चाहिए...।*

Om Shanti
14.07.2019

★【आज का पुरुषार्थ】★

बाबा कहते हैं कि, बाबा ने देखा कि कई बच्चों के अंदर काफी हलचल है और इसका कारण केवल और केवल - मैं और मेरा पन है...।
जिस कारण बाप की planning पर निश्चय नहीं कर पाते और ऊपर-नीचे होते रहते हैं...!

बच्चे, यह समय तो पुराने दाग को भी खत्म करने का, खत्म हो चुका है, परंतु बच्चे नये लगा रहे हैं..., और इसका परिणाम समझ नहीं पा रहे हैं...!

अब जबकि इस ईश्वरीय परिवार की आत्माओं की cassette rewind होने का समय आ गया है, तो पश्चाताप भी स्वयं ही करना पड़ेगा और वाह-वाह भी स्वयं की स्वयं ही...!
क्योंकि photo चाहे कितने भी member की हो, attention सबसे पहले स्वयं पर ही जाता है...!

हर आत्मा को अपने कर्मों का भुगतान स्वयं ही करना पड़ता है और उसके साथ जो कुछ भी हो रहा है, उसका ज़िम्मेवार वह स्वयं ही है...।

बाप तो आप सब बच्चों के कल्याण के निमित्त आया है ... यदि निश्चय नहीं है, तो बाप को छोड़ दो...।
क्योंकि बाप ने किसी को पकड़ा नहीं हुआ, हर आत्मा के पास अभी भी free will है...।

बहुत जल्दी ही बाबा का बाप-टीचर-सतगुरु का role परिवर्तन हो जाएगा ... और part परिवर्तन होते ही आपके जमा किये गए भाग्य और अभाग्य, दोनों का आरंभ हो जायेगा...।

कई बच्चे मैं और मेरे-पन की हलचल में आ, अशुद्ध संकल्प रुपी भोजन को स्वीकार करते हैं और फिर उल्टी करते हैं ...
परंतु इस तरह की गई उल्टी की सफाई भी स्वयं ही करनी पड़ेगी...!
उसका ज़िम्मेवार ना ही बाप है और ना ही कोई अन्य आत्मा...।

अच्छा। ओम शांति।

---

**IMPORTANT POINT*

*हर आत्मा को अपने कर्मों का भुगतान स्वयं ही करना पड़ता है और उसके साथ जो कुछ भी हो रहा है, उसका ज़िम्मेवार वह स्वयं ही है...।*

Om Shanti
13.07.2019

★【आज का पुरुषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... बच्चे, महसूस करो कि; एक powerful बहुत bright light का झरना, आप बच्चों के ऊपर आ रहा है।
बस बच्चे, आप शान्ति से बैठे रहो ... यह झरना स्वयं ही minor सा जो किचड़ा रह गया है, उसे बाहर निकाल देगा...।

स्वयं पर निश्चय रखो कि, मैं बाबा का सबसे प्यारा और मीठा बच्चा हूँ ... और मेरा बाप, जो एक surgeon है, उसने अपना काम सम्पन्न कर दिया है।
बस मुझे तो निश्चिन्त स्थिति में स्थित रह, हर हाव-भाव बाप को समर्पण करते जाना है और इसी संकल्प में रहना है कि ... मेरा देह (प्रकृति) सहित परिवर्तन हुआ कि हुआ ... अर्थात् मेरे सम्पन्न स्वरूप अर्थात फरिश्ता स्वरूप ने मुझे धारण किया कि किया...।

बच्चे, बस आप बच्चों के अन्दर अर्थात मन-बुद्धि में यह समा जाना चाहिए कि बाप हमारे परिवर्तन का कार्य कर चुका है और इसी feeling में रहना है। यदि बाहरी कोई बात आये भी, तो निश्चिन्त रह, वो बाप को समर्पण कर देना है। इससे आपको स्वयं के परिवर्तन की result स्पष्ट नज़र आने लग जायेगी, जिससे परिवर्तन जल्द से जल्द सम्भव हो जायेगा...।

बस, आप बच्चों को तो खुशी में नाचना-गाना ही है और तो कुछ करना नहीं...!

अभी भी हर बच्चे के साथ practical में बाप (परमात्मा शिव) है ... और जब तक बाप आप बच्चों को अपनी seat नहीं देता, तब तक आपका 100% ज़िम्मेवार भी है।

"अभी भी हर राधा के साथ कृष्ण है अर्थात् मैं बाप हूँ..." - यही feeling आपको जल्द से जल्द, बाप के मिलन का practical अनुभव करायेगी...।

अभी तो आपको निश्चिन्त रहना है और हर तरह का हर संकल्प बाप को समर्पण कर, खुशी में झूमते रहना है...।

अच्छा। ओम शांति।

---

**IMPORTANT POINT*

*"अभी भी हर राधा के साथ कृष्ण है अर्थात् मैं बाप हूँ..."* - यही feeling आपको जल्द से जल्द, *बाप के मिलन* का practical अनुभव करायेगी...।

Om Shanti
12.07.2019

★【आज का पुरुषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... बच्चे, स्वयं को 100% स्वतंत्र रखो, अपने संकल्पों को किसी भी चीज़ के साथ बाँधो मत, अर्थात् यह करना है, यह नहीं करना है ... नहीं बच्चे...!
बिल्कुल easy हो, जैसा समय वैसे करते चलो ...बिल्कुल निर्बन्धन रहो...। इसी की इस समय ज़रूरत है।

इस समय, आप सब परमात्मा बाप की छत्रछाया के नीचे हो और जो भी हो रहा है, वह 100% कल्याणकारी हो रहा है ... इसलिए किसी भी बात में कुछ भी सोचो मत, जो अच्छा लगे, वो कर लो।

देखो बच्चे, बाप आप सब बच्चों के लिए ही रुका हुआ है और जल्द से जल्द अपना कार्य सम्पन्न कर, अर्थात् सहज से सहज विधि से आप बच्चों को बाप समान बना, सारा विश्व आपके हवाले कर देगा।

बस, आप स्वयं को स्वतंत्र रखो...। कोई बाँध (barrier) मत लगाओ, जो सहज लगे वह कर लो, क्योंकि इस समय आप बच्चों का स्व-परिवर्तन का कार्य speed से चल रहा है।
बस, आपके हल्के संकल्प रखने से, अर्थात् संकल्पों में हल्का रहने से झटपट बाप का कार्य सम्पन्न हो जायेगा...।

बच्चे, आपकी सोच बिल्कुल हद में है, परन्तु बाप के पास आप बच्चों की full planning है।

जो कुछ भी हो रहा है, उसमें केवल कल्याण ही कल्याण है...।

अच्छा। ओम शांति।

Om Shanti
11.07.2019

★【आज का पुरुषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... बच्चे, बाप का इस समय एक ही लक्ष्य है - आप बच्चों को हर हाल में जल्दी से जल्दी, seat पर set कर, अपनी ज़िम्मेवारी पूरी करे...।

जिस तरह लौकिक में भी, कोई teacher अपने सभी students में से कुछ एक student को doctor बनाने का लक्ष्य रख ले, तो उसका full attention अपने उन्हीं बच्चों पर रहेगा, कि कैसे मेरे बच्चे doctor बनें...!

और वैसे भी बच्चे, हर कार्य की सम्पन्नता की एक limit तो है ही ना...!
और यहाँ तो स्वयं परमात्मा बाप ने teacher बन, आप बच्चों को select किया है, विश्व के इलाज के लिए..., जहाँ बीमारी रोज़ multiple हो रही है...!

तो बताओ, स्वयं भगवान, है तो सबका बाप ही ना...!

तो बाप भी तो जल्दी से जल्दी अपने सभी बच्चों के दुःखों को खत्म करेगा ना ... और वो दुःख खत्म होने शुरू होंगे, आप बच्चों के अपनी seat पर set होने पर...।

बस बच्चे, आप खुश रहो ... निश्चिन्त रहो ... ज़िम्मेवार आप नहीं, मैं हूँ..., आपको अपने लक्ष्य तक पहुँचाने के लिए...।

*Seat पर set रहना* अर्थात हर परिस्थिति में अचल, अडोल और एकरस रहना, अर्थात *present में रहना..।*

अच्छा। ओम शांति।

Om Shanti
10.07.2019

★【आज का पुरुषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... बच्चे, जो भी संकल्प, जिस तरह के भी संकल्प हों, वो बाप को समर्पण करते जाओ...।
ऐसा करने पर आप अपनी यात्रा में आगे की तरफ ही चल रहे हो ... और आगे चलना, अर्थात् बाप-समान बनते जाना ... और देखो, आपका बाप (परमात्मा शिव) इस सारे विश्व का रखवाला है और बाप की श्रीमत पर 100% चलने वाले बच्चों से तो बाप असीम प्यार करता है।

बाप आप बच्चों के लिए हर पल हाज़िर है। फिर भी एक second से भी कम समय में बिल्कुल हल्का, अर्थात् आप बच्चों से भी न्यारा हो जाता है...!

बाप का यह विशेषतम् गुण है, अर्थात् सबसे प्यार करते हुए भी अर्थात् 'न्यारा और प्यारा' - यह गुण आप बच्चों में इस दुनिया में रहते समर्पण भाव से ही आ सकता है...।

बच्चे, आज पूरे दिन अपने original स्वमान अर्थात् बाप-समान स्थिति में स्थित हो, अपने सम्पन्न स्वरूप अर्थात फरिश्ता स्वरूप को भी अपने साथ ही अनुभव कर अर्थात हम एक हैं - यह अनुभव कर, बाप के संग बैठे रहो...।

अच्छा। ओम शांति।

Om Shanti
09.07.2019

★【आज का पुरुषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... बच्चे, अब आप बाप के प्यार में खो जाओ ... समा जाओ ... और आप सबको कुछ नहीं करना...।

बच्चे, जितना-जितना आप बच्चों का light का अभ्यास powerful होता जा रहा है, उतना ही आप स्वयं के साथ-साथ, अपने पाँच तत्वों से बने शरीर को भी पवित्र light बना, इन तत्वों से न्यारा कर लेते हो ... और धीरे-धीरे, जितना आपका इस दुनिया से न्यारेपन का अभ्यास बढ़ता जायेगा, उतनी जल्दी आप बाप से बाप-समान बनने की शक्ति लेने के काबिल बन जाओगे...।

देखो बच्चे, यह process भी खत्म तो होना ही है, यदि आप थोड़ा सा प्रभाव-मुक्त रहने का attention रखो, अर्थात जीते-जी मर जाना अर्थात कुछ भी हो रहा है, हम साक्षी हैं...।
इसका attention होते ही झटके से परिवर्तन हो जायेगा...!

कई बच्चे सोचते हैं कि सबकुछ हमें ही करना पड़ेगा...!
परन्तु बच्चे, शक्ति तो बाप देगा ही ... साथ ही साथ बाप आपकी बुद्धि रूपी बर्तन को पवित्रतम् light बनाने की युक्ति भी बता रहा है ... और वह तो आपको बाप से शक्ति लेने के लिए, अपनी बुद्धि रूपी बर्तन को clear अर्थात् साफ तो करना ही पड़ेगा ना...!

आप बच्चों ने बहुत अच्छा attention रखा है, जिस कारण यह कार्य automatically हो जायेगा...। परन्तु आप यदि जल्दी चाहते हो, तो थोड़ा-सा attention देते ही झटके से हो जायेगा...।

*Light का अभ्यास* अर्थात स्वयं को आत्मा, point of light समझ, अब आँखों को जब भी use करो, तो *सब कुछ light ही देखो, वो भी बहुत प्रेम के साथ...,* अर्थात हर चीज़ और हर किसी को उसके original स्वरूप में, light ही देखो...।

अच्छा। ओम शांति।

Om Shanti
08.07.2019

★【आज का पुरुषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... बच्चे, आप निश्चिन्त रहो...।

आप हर बात में हाँ-जी, हाँ-जी करते रहो। स्वयं भी हल्के रहो और दूसरों को भी हल्का रखो...।

देखो बच्चे, किसी भी बात को instant मना मत करो, उस समय मुस्कुराकर उस बात को हल्का कर दो।
फिर अपने ऊँच स्वमान में स्थित हो, बाप को संग रख, अपने दिल की बात कह दो...।

यदि फिर भी कोई अपनी बात ऊपर रखें, तो उनके अनुसार चलो परन्तु वातावरण को भारी मत करना, ना ही स्वयं की सोच से, ना ही उस आत्मा की सोच से..., बस स्वयं के संकल्प को भी तेरा-तेरा कर दो और उस आत्मा को भी। फिर जल्दी ही वह आत्मा भी परिवर्तन हो जायेगी...।

देखो, उन आत्माओं पर भी आपकी vibrations का प्रभाव पड़ता है। बस वो आपको परिवर्तन करने के निमित्त हैं। इसलिए, स्वयं के स्वभाव-संस्कार को बिल्कुल flexible बना लो।

जितना-जितना आपके अन्दर moulding power आती जायेगी, उतनी ही आपकी शुभ भावना, शुभ कामना उन आत्माओं को परिवर्तन कर देगी।

बस, आप स्वयं पर attention रखना। खुद को किसी भी बात में भारी मत करना।

जब present में रहोगे अर्थात् ना ही past का सोचोगे और ना ही future का..., बल्कि present में रह हर संकल्प को बाप को समर्पण कर, हल्के और निश्चिन्त रहोगे, तो जल्दी ही आप सभी में एक बड़ा परिवर्तन अनुभव करोगे...।

बस, उन आत्माओं के प्रति रहम और कल्याण की भावना रखना...।

देखो बच्चे, आपके परिवर्तन से ही वो आत्मायें परिवर्तन होगी। फिर आपके स्थान का वातावरण भी परिवर्तन होगा। फिर ही तो आपका स्थान light house - might house बनेगा...।

बस, हर बात में positive रहना है...।

जब आप बच्चों पर बाप की नज़र है और आप बच्चे भी हर कदम बाप की श्रीमत प्रमाण उठाते हो, तब तो हर बात में कल्याण ही कल्याण है...।

देखो, बाप आप बच्चों को आप समान बनाने आया है ... तो आप भी अपना full सहयोग दो।

बस, हर संकल्प को तेरा-तेरा करते चलो, निश्चय रखो और निश्चिन्त रहो...।
बस फिर तो देखते ही देखते मंज़िल पर पहुँच जाओगे...।

अच्छा। ओम शान्ति।

---

**IMPORTANT POINT*

*जब present में रहोगे अर्थात् ना ही past का सोचोगे और ना ही future का..., बल्कि present में रह हर संकल्प को बाप को समर्पण कर, हल्के और निश्चिन्त रहोगे, तो जल्दी ही आप सभी में एक बड़ा परिवर्तन अनुभव करोगे...।*

Om Shanti
07.07.2019

★【आज का पुरुषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... धर्मराज कोई भी आत्मा वा परमात्मा नहीं है।

जिस तरह, रावण ... पाँच विकारों के रूप को कहा जाता है, इसी तरह हर आत्मा के किये गये पापकर्म, धर्मराज का रूप ले लेते हैं। जिस कारण पापकर्म करने वाली आत्मा भयानक सज़ाओं का अनुभव करती है...!

बाप (परमात्मा शिव) तो सभी बच्चों के लिए हमेशा कल्याणकारी रहता है - चाहे वो लौकिक हो ... चाहे अलौकिक...।

देखो, सबसे पहले स्वयं के द्वारा किये गए पापकर्म स्वयं के आगे प्रत्यक्ष होंगे..., फिर अन्य आत्माओं के सामने...! जिस कारण वो बाप के सहयोग का फायदा नहीं उठा पायेंगी...!
अर्थात् उनके पापकर्म ही उनको बाप से साक्षी कर देते हैं।
जिस कारण उनकी भोगना और बढ़ जाती है और यह वो आत्मायें होती है;
• जो बाप के प्यार के आधार को छोड़ दूसरे-दूसरे आधार पर चलती हैं।
• स्व-परिवर्तन की बजाए अन्य आत्माओं का परिवर्तन करना चाहती हैं।
• सुखकर्ता की बजाए दुःखकर्ता बन जाती है अर्थात् dis-service के निमित्त बन जाती है...।
यही कर्म उनकी सज़ाओं के निमित्त बनते हैं ... और यह कार्य शुरू हो चुका है, अर्थात् जो कहते हो ना कि सद्गुरु का role शुरू हो जायेगा ... वह हो चुका है...।

कोई भी कार्य पहले slow होता है, फिर जल्दी वो प्रत्यक्ष रूप में दिखने लगता है...!

अष्ट रत्न ... सौ रत्न ... अर्थात् सभी माला के दाने स्वयं के पुरुषार्थ अनुसार स्वयं ही प्रत्यक्ष होते हैं, जोकि सभी आत्माओं को मान्य होते हैं।

बाप का कार्य सभी आत्माओं को केवल प्यार, रहम, कल्याण की भावना से मुक्ति और जीवनमुक्ति देने का है।
परन्तु, सभी अपने मन्सा-वाचा-कर्मणा द्वारा नम्बरवन और नम्बरवार बनते हैं...।

अच्छा। ओम् शान्ति।

---

**IMPORTANT POINT*

*हर आत्मा के किये गये पापकर्म, धर्मराज का रूप ले लेते हैं - बाप के प्यार के आधार को छोड़ दूसरे-दूसरे आधार पर चलना ... स्व-परिवर्तन की बजाए अन्य आत्माओं का परिवर्तन करना ... सुखकर्ता की बजाए दुःखकर्ता बन, अर्थात् dis-service के निमित्त बन जाना - यही कर्म उनकी सज़ाओं के निमित्त बनते हैं।*

Om Shanti
06.07.2019

★【आज का पुरुषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... जो बच्चे स्वयं पर 100% attention रख श्रीमत प्रमाण चल रहे हैं अर्थात् उनका attention, केवल स्वयं को परिवर्तन करने का ही है ... उन बच्चों की ज़िम्मेवारी बाप की है, अन्यथा नहीं...!

देखो बच्चे, यदि आप किसी भी आत्मा को शुभ भावना - शुभ कामना से समझानी देते हो और वह उसे positively accept कर लेती है और आपकी स्थिति भी एकरस रहती है, तो भल उसे समझानी दो, अन्यथा उसे बाप हवाले कर दो ... और स्वयं की सम्भाल रखो कि उसका प्रभाव आप पर ना पड़े...!

यदि उसके vibrations आप पर effect डाल रहे हैं, तो आप अपनी seat पर set हो बाप से शक्ति ले, शक्तिशाली बनो...।

देखो, जो यह कल्प का अंतिम से भी अंतिम समय जा रहा है, जिसमें बाप (परमात्मा शिव) ने आपको केवल स्व-स्थिति के आसन पर बैठ स्वयं को परिवर्तन करने की श्रीमत दी है, तो उसी प्रमाण चलो...।

व्यर्थ में अपना एक second, waste मत करो, क्योंकि कई बार एक second आपको भारी कर, कई minutes में परिवर्तन हो जाता है...!

इसलिए अब समय की बचत कर, समय को सफल करो...।

आप बच्चों की ज़िम्मेवारी स्वयं को बाप-समान बनाने की है, साथ ही साथ अन्य आत्माओं की पालना अच्छी तरह करने की है।
आपकी पालना और आपके शुभ-भावना के vibrations से वो स्वयं परिवर्तन होंगे...।

देखो, बनेंगे तो नम्बरवार ना..., सब first नहीं बन सकते...!

इसलिए सबसे पहले अपनी स्थिति की तरफ attention रखो।

गायन भी है;
"स्व-परिवर्तन से विश्व-परिवर्तन..."

देखो बच्चे, बाप स्वयं आकर आप बच्चों को सहज से सहज रीति पुरुषार्थ की विधि बता रहा है, तो उसी according पुरुषार्थ करो, फिर बाप भी आपको अपने समान बना लेगा...।

बाप के 100% आज्ञाकारी बनो, मोटे रूप से checking मत करो...।

देखो, आप बच्चे कल्प-कल्प के विजयी हो, तो आप बच्चे भी स्वयं के पुरुषार्थ प्रमाण अर्थात् स्व-परिवर्तन प्रमाण, स्वयं को अच्छी तरह जान और मान, स्वयं पर attention रखो...।

स्व-परिवर्तन के लिए हर बात से, हर किसी के part से, न्यारा होना अति आवश्यक है।

जितना न्यारा, उतना प्यारा ... अर्थात् जो बच्चा बाप का प्यारा है, वह तो स्वतः ही सबका प्यारा हो जायेगा...।

जो वरदानीमूर्त बच्चे होते हैं, वो इस पाँच तत्वों से बनी दुनिया की हर चीज़ से न्यारा बन सबको वरदान दे, सभी के कल्याण के निमित्त बनते हैं...।

अच्छा। ओम् शान्ति।

---

**IMPORTANT POINT*

*बाप ने आपको केवल स्व-स्थिति के आसन पर बैठ स्वयं को परिवर्तन करने की श्रीमत दी है, तो उसी प्रमाण चलो...। व्यर्थ में अपना एक second, waste मत करो। स्व-परिवर्तन के लिए हर बात से, हर किसी के part से, न्यारा होना अति आवश्यक है।*

Om Shanti
05.07.2019

★【आज का पुरुषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... बाबा बच्चों के पुरुषार्थ को check कर रहे थे।
तो बाबा ने देखा कि, बच्चों को बाबा से बहुत प्यार है, बच्चे ज्ञानी भी हैं और योगी भी हैं ... परन्तु संस्कार परिवर्तन करने में नम्बरवार हैं...।

स्वयं को परिवर्तन कर नहीं पाते, इसलिए परमात्मा से और अन्य आत्माओं से किसी-न-किसी तरह की complaint रहती है...! जिस कारण ऐसी आत्मायें अन्दर से ना तो संतुष्ट रहती हैं और ना ही हल्की..., फिर बताओ यह कैसा पुरुषार्थ है...?

देखो बच्चे, बाबा बार-बार कह रहा है...,
• संस्कार परिवर्तन करो।
• स्वयं की checking करो, बाप की श्रीमत प्रमाण...।

• मैं-मेरे में मत फँसो।
• सब कुछ समर्पण कर दो...।

परन्तु जब आप मैं-मेरे में फँस जाते हो, तो जैसेकि आप अज्ञानी आत्मा हो...।

देखो, यह समय फिर नहीं मिलेगा...। अभी आप चाहे कितने भी complaint स्वरूप बनो परन्तु अंत में अपना part देखकर स्वयं ही पश्चाताप करना पड़ेगा...!
यह ही फिर कल्प-कल्प की बाज़ी बन जायेगी...!

देखो, इस मार्ग में किसी भी तरह की कोई भी complaint ना स्वयं से अर्थात् स्वयं के भाग्य से, ना परमात्मा से और ना ही अन्य आत्माओं से होनी चाहिए...।

इसके लिए बाप की हर श्रीमत को महीनता से समझ अपने जीवन में apply करो।

आप बच्चों की सारी पढ़ाई बाप ने सार में भी और विस्तार में भी अच्छी तरह से पढ़ा दी है, अब त्रिकालदर्शी बन स्वयं को check कर, change करो...।

अभी फिर भी थोड़ा-सा समय बचा है, उसे सफल करो ... अन्यथा पश्चाताप की घड़ियां बहुत कड़ी है।

रास्ते में किसी भी तरह की कोई भी परिस्थिति, कोई भी स्वभाव-संस्कार आये, उसे जल्दी से जल्दी अपने स्वमान की seat पर set हो बाप को दे दो।

यदि, उसे थोड़ी देर भी अपने पास रख लोगे, तो उसे निकालना मुश्किल हो जायेगा...!

इसलिए, ATTENTION PLEASE...

सहज रीति पुरुषार्थ कर आगे बढ़ो, जब तक हिसाब-किताब clear नहीं होंगे, तब तक सम्पन्न नहीं हो पाओगे...!

इसलिए, हल्के हो हिसाब-किताब clear करो, ना कि भारी होकर...।

बाबा की हर पल नज़र आप बच्चों पर ही है। समय आते ही बाप स्वयं आपको ऊपर उड़ाकर ले जायेगा।

देखो, जब भी कोई पुराना हिसाब-किताब आता है और आप शांति-पूर्वक बाप पर निश्चय रख, सच्चे दिल से पुरुषार्थ करते रहते हो ... तो बाप भी जल्दी ही किसी-न-किसी युक्ति के द्वारा आप बच्चों को मुक्ति दिला देता है ... और जब आप भारी हो जाते हो, तो वो ही हिसाब-किताब लम्बा हो जाता है...!

अच्छा, आप बच्चों को तो पता है कि बाप (निराकार शिव) अभोक्ता है, फिर भी आप भोग स्वीकार करवाते हो...!

परन्तु अब समय अनुसार जबकि बिल्कुल अंतिम घड़ियां चल रही है, ऐसे समय में आपको भोजन के समय full attention रखना है ... क्योंकि इस समय सब कुछ तमोप्रधान है और बाप की याद में रह स्वीकार की गई एक-एक bite सतोप्रधान बन, आपके मन और तन को तंदुरुस्त कर देती है...।

अच्छा। ओम् शांति।

---

**IMPORTANT POINT*

*जब आप मैं-मेरे में फँस जाते हो, तो जैसेकि आप अज्ञानी आत्मा हो...। देखो, यह समय फिर नहीं मिलेगा...। अभी आप चाहे कितने भी complaint स्वरुप बनो परन्तु अंत में अपना part देखकर स्वयं ही पश्चाताप करना पड़ेगा...! यह ही फिर कल्प-कल्प की बाज़ी बन जायेगी...!*

Om Shanti
04.07.2019

★【आज का पुरुषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... बच्चे, महसूस करो कि चारों तरफ पवित्र light है ... यह कमरा पवित्र light का बना हुआ है।
इसी तरह के अभ्यास से यह प्रकृति आपकी सहयोगी-साथी बन जायेगी...।

जिस तरह से विश्व-परिवर्तन के कार्य के लिए बाप ने आपको सहयोगी-साथी बनाया है, इसी तरह आप प्रकृति के द्वारा विश्व-परिवर्तन का कार्य सम्पन्न करोगे।

बच्चे, परिवर्तन तो होना ही होना है, अर्थात् हुआ ही पड़ा है। बस आप तो तैयार रहो ... और सब बाबा सम्भाल लेगा..., क्योंकि ज़िम्मेवारी बाप की है, आपकी नहीं..., आप तो निमित्त मात्र हो।

केवल विजयी रत्न बच्चे ही ऐसे हैं, जो निश्चयबुद्धि बन अर्थात् बाप की हर बात पर निश्चय रख, बाप-समान बनते हैं ... और असलियत में बच्चा केवल वो ही होता है, जो बाप-समान हो और बाकी तो कहने मात्र के लिए ही बच्चे हैं, अन्यथा बाप उनके लिए भगवान ही है...।

बच्चे, कभी आपने ऐसा सोचा था कि परमात्मा बाप, आप बच्चों को आकर स्वयं पढ़ायेगा...?
अभी तक आपको यह स्वप्न मात्र ही लगता होगा...!

इसी तरह, जब आप बाप-समान बन जाओगे तो आपको स्वयं पर आश्चर्य भी लगेगा और यह एक स्वप्न सा feel होगा कि हम ही थे और हम ही हैं..., परन्तु हो तो आप सब ही ना कल्प-कल्प के बाप के दिलतख्तनशीन, नूरे रत्न, मस्तकमणी बाप समान बच्चे...।

बच्चे, बाप को भी आप बच्चों पर नाज़ है ... निश्चयबुद्धि विजयन्ति...।

इसलिए बच्चे, अपने गुणों रूपी शक्तियों को use करो ... जितना ज्यादा आप इन्हें use करोगे, उतना अधिक अपनी seat पर set रहोगे ... और जितना अधिक आप अपनी set पर set रहोगे, उतनी जल्दी परिवर्तन का कार्य शुरू हो जायेगा ... और फिर तो सहज ही बाप-समान बन, विश्व-परिवर्तन का कार्य सम्पन्न कर दोगे...।

अच्छा। ओम शांति।

---

**IMPORTANT POINT*

*असलियत में बच्चा केवल वो ही होता है, जो बाप-समान हो और बाकी तो कहने मात्र के लिए ही बच्चे है, अन्यथा बाप उनके लिए भगवान ही है...।*

Om Shanti
03.07.2019

★【आज का पुरुषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... बच्चे, बस अब एक ही संकल्प हो - मैं light, Supreme light और light का शरीर ... और साथ ही साथ एक ही संकल्प कि अभी-अभी परिवर्तन होगा...।
परिवर्तन तो हुआ ही पड़ा है...!

देखो बच्चे, आप बच्चों को आपके लक्ष्य तक पहुँचाने की ज़िम्मेवारी बाप की है और बाप है इस drama का रचियता...।

बस, आप तो बाप पर 100% निश्चय रख, बाप की श्रीमत प्रमाण अपनी seat पर set रहो। बाप सबसे सहज और शीघ्रता से लक्ष्य तक पहुँचाने की विधि द्वारा ही, आप बच्चों को आपके लक्ष्य तक पहुँचा रहा है...। बस अपनी मन-बुद्धि ज्यादा use मत करो...।

जो भी drama का scene आपके सामने आ रहा है, उसे सहज रीति पार करो..., जिससे आप बच्चे बाप के सहयोगी बन जाते हो और बाप का कार्य भी जल्दी-जल्दी पूरा हो जायेगा, अन्यथा पूरा तो होना ही है, जिसे कोई भी ताकत रोक नहीं सकती...।

बच्चे, आप 100% निश्चिन्त रह, बाप की एक-एक बात पर 100% निश्चय रख, बाप की श्रीमत प्रमाण अपनी seat पर set रहने का attention देते रहो।
यह attention ही आपके present स्वरूप और आपके ही original स्वरूप के बीच का पर्दा उठायेगा..., जिससे आप विश्व में प्रत्यक्ष हो जाओगे...।

बस बच्चे, light का अभ्यास करते रहो...।

*Light का अभ्यास* अर्थात स्वयं को आत्मा, point of light समझ, अब आँखों को जब भी use करो, तो *सब कुछ light ही देखो, वो भी बहुत प्रेम के साथ...,* अर्थात हर चीज़ और हर किसी को उसके original स्वरूप में, light ही देखो...।

अच्छा। ओम शांति।

---

**IMPORTANT POINT*

*आप 100% निश्चिन्त रह, बाप की एक-एक बात पर 100% निश्चय रख, बाप की श्रीमत प्रमाण अपनी seat पर set रहने का attention देते रहो...।*

Om Shanti
02.07.2019

★【आज का पुरुषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... बच्चे, जो भी कार्य करना है, कर लो ... परन्तु सोच-सोच कर उसमें अपनी मन-बुद्धि मत लगाओ। संकल्पों के द्वारा इस दुनियावी हर कार्य से न्यारे होते जाओ...। आपका न्यारापन ही आपको उड़ाकर उस पार ले जायेगा...।

देखो, इस दुनिया का हर कार्य वैसे ही होगा, जैसे होता आया है ... एक परसेन्ट भी परिवर्तन अनुभव नहीं होगा...!

जो तमोप्रधान दुनिया की हर चीज़ गिरावट में जा रही है, वो बढ़ती जायेगी..., परन्तु परिवर्तन आपको स्व-परिवर्तन के बाद ही दिखने लगेगा...।

इसलिए बाबा कहता है कि स्वयं को हर बात से न्यारा कर लो...। अपनी मन-बुद्धि में बाबा को बसा लो, अर्थात् बाबा के एक-एक बोल, बाबा की याद आपके अन्दर समा जायें...।

जिस समय आप बाबा को भूल जाते हो, या unconsciously कोई गलती हो भी जाती है, तो उस समय को भी भूल जाओ...। केवल संकल्पों में बाप की याद और बाप से हुई प्राप्तियों की, अर्थात् अपने भाग्य की खुशी रहनी चाहिए...।

देखो, सभी आपके परिवर्तन के ही इंतज़ार में हैं ... और यह कभी भी झटके से हो जायेगा...।

अच्छा। ओम शांति।

---

**IMPORTANT POINT*

*इस दुनिया का हर कार्य वैसे ही होगा, जैसे होता आया है ... एक परसेन्ट भी परिवर्तन अनुभव नहीं होगा..., परन्तु परिवर्तन आपको स्व-परिवर्तन के बाद ही दिखने लगेगा...।*

Om Shanti
01.07.2019

★【आज का पुरुषार्थ】★

बाबा कहते हैं ... बच्चे, आप बच्चों का बाप विश्व-कल्याणकारी है, तो आप बच्चों का कल्याण तो हर second में है ही है ना...।

बस, आप सब कुछ बाप हवाले कर दो अर्थात् जो भी कीचड़ पट्टी है, जोकि इस दुनिया के हिसाब से बहुत valuable है, सब मन-बुद्धि से बाप (परमात्मा शिव) हवाले कर दो...।

आपका भविष्य अर्थात् आने वाला कल, अर्थात् इस जन्म का भविष्य प्राप्तियों से भरपूर है...। किसी भी तरह की कोई कमी महसूस नहीं होगी। हर तरफ से अर्थात् तन, मन, धन, जन से भरपूर रहोगे अर्थात् healthy, wealthy और happy रहोगे।

बस बच्चे, बाप को अपना मान अर्थात् मेरा बाप है और है भी कौन...? अर्थात् मुझ से ज्यादा भाग्यशाली कोई नहीं...! - यह मान, सहज रीति परिवर्तन के process को पूरा करो...।

हर समय, हर हाल में बाप आपके साथ है, बस आप मन-बुद्धि से बाप के आगे समर्पण हो जाओ ... ज्यादा सोचो मत...।

बच्चों के कल्याण के निमित्त मैं आ गया हूँ, तो अकल्याण तो हो ही नहीं सकता...!

बस बच्चे, हल्के रहो ... खुश रहो...।

अच्छा। ओम शांति।

---

**IMPORTANT POINT*

*बाप को अपना मान अर्थात् मेरा बाप है और है भी कौन...? अर्थात् मुझ से ज्यादा भाग्यशाली कोई नहीं...! - यह मान, सहज रीति परिवर्तन के process को पूरा करो...।*